Publication	Hindustan
Edition	Meerut, Meerut Janpat
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	03
Date	09th February 2019

हिन्दुस्तान

रैपिड रेल : हवाई जहाज जैसा सफर

नई दिल्ली/मेरठ | हिटी

दिल्ली-मेरठ के बीच प्रस्तावित रैपिड रेल की रफ्तार पर कोहरे से ब्रेक नहीं लगेंगे। ट्रेन में तकनीक के सहारे इससे निपटा जाएगा। एनसीआरटीसी का दावा है कि ट्रेन की अधिकतम रफ्तार 160 किलोमीटर प्रति घंटा तक रहेगी।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) एनसीआर के शहरों को जोड़ने के लिए रैपिड रेल पर काम कर रहा है। इसके लिए दिल्ली-मेरठ, दिल्ली-अलवर और दिल्ली-पानीपत रूट का चयन किया गया है। पहले चरण में दिल्ली मेरठ रूट पर ट्रेन चलेगी। करीब 90 किलोमीटर लंबे सफर को मात्र 60 मिनटों में पूरा किया जा सकेगा।

यात्री सुविधाओं का ध्यान

ट्रेन पूरी तरह से वातानुकूलित होगी। इसमे आम और खास यात्रियों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा गया है। 2 गुणा 2 की आरामदायक सीट होने के साथ-साथ, सामान रखने की जगह का भी प्रावधान होगा। मोबाइल और लैपटॉप चार्जिंग प्वाइंट की भी सुविधा होगी। विकलांगों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए सीटें स्पष्ट रूप से चिह्नित की जाएंगी। बिजनेस श्रेणी के यात्रियों के लिए अलग से बिजनेस कोच होगा।

देश में पहली बार ट्रेन में बिजनेस कोच लगाया जाएगा। बिजनेस क्लास के लिए अलग प्रवेश और निकास द्वार होंगे। यह ऑटोमेटिक फेयर कलेक्शन (एएफसी) सिस्टम जैसे क्यूआर कोड आधारित टिकट और नियर फील्ड कम्युनिकेशन (एनएफसी) से संचालित होंगे।

रैपिड रेल में लोगों को हवाई जहाज जैसे सफर का अहसास होगा। ● हिन्दुस्तान

एक नजर

2150	यात्री सफर करेंगे 12 कोच वाली ट्रेन में
160	किलोमीटर तक होगी अधिकतम रफ्तार
05	से 10 मिनट में मिल जाएगी रैपिड रेल
06	से 12 कोच होंगे रैपिड रेल में

डिजाइन खास होगा

ट्रेन की रफ्तार को तेज करने के लिए खास डिजाइन बनाया गया है। यह ट्रेन एयरोडायनामिक होगी और 160 किमी. प्रति घंटे की गति से दौड़ सकेगी। इन्हें इस तरह से डिजाइन किया है कि रफ्तार तेज रहेगी। डिजाइन की खासियत के चलते यह हवा के कम से कम दबाव को झेलेगी। इससे ट्रेन को तेज रफ्तार पकड़ने में कम समय लगेगा। दिल्ली मेरठ रूट पर गाड़ी की औसत रफ्तार सौ किलोमीटर प्रति घंटा रहने की उम्मीद है।

बिजली भी बचाएगी

रैपिड रेल तेज रफ्तार के साथ ऊर्जा की बचत भी करेगी। 25 केवी बिजली प्रदान करने वाली ओवरहेड इलेक्ट्रिक प्रणाली ट्रेन को बिजली की आपूर्ति करेगी। ऊर्जा बचाने के लिए ट्रेन में रीजेनिरेटीव ब्रेकिंग सिस्टम होगा। यह ट्रेन के ब्रेक लगने पर ग्रिड को वापस ऊर्जा लौटाएगा। ट्रेन संचालन को सुरक्षित बनाने के लिए ईटीसीएस-2 सिग्नल प्रणाली का प्रयोग होगा। ऐसी प्रणाली यह भी सुनिश्चित करेगी कि मानसून या कोहरे जैसी स्थिति में ट्रेन संचालन में बाधा न आए।

मोहिउद्दीनपुर से परतापुर तक पाइल लोड टेस्ट

मेरठ | मुख्य संवाददाता

रैपिड रेल के लिए एनसीआरटीसी ने शुक्रवार को मेरठ के मोहिउद्दीनपुर से परतापुर तक आधुनिक मशीनों से जमीन में छेद कर मिट्टी की ताकत मापने को सैंपल लिए। रैपिड रेल के ट्रैक और स्टेशनों के पिलर खड़े करने के लिए चल रहे इस टेस्ट को तकनीकी भाषा में पाइल लोड टेस्ट कहा जाता है।

रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) परियोजना को लागू करने के लिए एनसीआरटीसी ने दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ गलियारे पर अपनी आगामी नागरिक संरचना के लिए प्रारंभिक पाइल लोड टेस्ट शुरू किया गया है। पहला लोड परीक्षण 30 जनवरी को एनसीआरटीसी एमडी विनय कुमार सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में साहिबाबाद, गाजियाबाद में मोहन नगर फ्लाईओवर के पास शुरू किया गया। मेरठ से दिल्ली के बीच देश का पहला रैपिड रेल प्रोजेक्ट अब साकार होने जा रहा है।